

पर्यन लिख्यसव

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI NO.UPBIL/2021/83001वर्ष-04 अंक-07 मुरादाबाद,
28 April, 2024 (Sunday)

मूल्य- 03 रुपये पृष्ठ-08

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीजीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

page 3 पुलिस की तैनाती के बाद भी चौराहों पर लग रहा जाम

page 5 दो दिवसीय आर्टिफिशियल इटेलीजेंस ...

page 7 HOW TO GROW

सीएम ने कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब

एजेंसी पर लगाए मनमानी के आरोप; कहा- रिश्त के कोई सबूत नहीं

देश के लिए अन्याय पत्र



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए योगी ने कहा कि आपने देखा होगा कि पहले चरण के मतदान से पहले हमने विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीब कल्याण योजनाओं पर लक्ष्य रखा था। लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का न्याय पत्र का उद्देश्य देश के सामने अपनी बात रखना है। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रूचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और परसूनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी।

योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का न्याय पत्र का उद्देश्य देश के सामने अपनी बात रखना है। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रूचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और परसूनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए योगी ने कहा कि आपने देखा होगा कि पहले चरण के मतदान से पहले हमने विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीब कल्याण योजनाओं पर लक्ष्य रखा था। लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का न्याय पत्र का उद्देश्य देश के सामने अपनी बात रखना है। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रूचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और परसूनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए योगी ने कहा कि आपने देखा होगा कि पहले चरण के मतदान से पहले हमने विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीब कल्याण योजनाओं पर लक्ष्य रखा था। लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का न्याय पत्र का उद्देश्य देश के सामने अपनी बात रखना है। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रूचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और परसूनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए योगी ने कहा कि आपने देखा होगा कि पहले चरण के मतदान से पहले हमने विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीब कल्याण योजनाओं पर लक्ष्य रखा था। लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का न्याय पत्र का उद्देश्य देश के सामने अपनी बात रखना है। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाया कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रूचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और परसूनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी।

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब

गुजरात के पोरबंदर में अमित शाह ने की रैली

देश से आतंकवाद-नक्सलवाद को खत्म करने की दी गारंटी

अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने पुलवामा और उड़ी पर हमला किया तब वे भूल गए थे कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दस दिनों के भीतर, पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान की मिट्टी से आतंकवाद को ही खत्म कर दिया।



अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने पुलवामा और उड़ी पर हमला किया तब वे भूल गए थे कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दस दिनों के भीतर, पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान की मिट्टी से आतंकवाद को ही खत्म कर दिया।

अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब पाकिस्तान ने पुलवामा और उड़ी पर हमला किया तब वे भूल गए थे कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दस दिनों के भीतर, पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान की मिट्टी से आतंकवाद को ही खत्म कर दिया।

ये हमारे लिए गौरव और खुशी की बात:नड्डा

भाजपा में शामिल हुए दिल्ली-पंजाब के 1500 ज्यादा सिख

ये हमारे लिए गौरव और खुशी की बात:नड्डा

ये हमारे लिए गौरव और खुशी की बात:नड्डा

ये हमारे लिए गौरव और खुशी की बात:नड्डा

फास्ट न्यूज

मणिपुर में उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ के दो जवान

शहीद, कई घायल

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में सुरक्षा बलों के एक शिविर पर उग्रवादियों के हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो कर्मियों की मौत हो गई और और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरंग पुलिस थाना क्षेत्र में नारायणसेना के एक गांव में कथित तौर पर सीआरपीएफ कर्मियों पर गोलीबारी करते हुए आधी रात को हमला किया।



राजनाथ सिंह 29 अप्रैल को दाखिल करेंगे नामांकन तैयारियों को लेकर हुई बैठक

राजनाथ सिंह 29 अप्रैल को दाखिल करेंगे नामांकन तैयारियों को लेकर हुई बैठक

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर एलडीएफ विधायक अनवर पर मामला दर्ज

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर एलडीएफ विधायक अनवर पर मामला दर्ज

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर एलडीएफ विधायक अनवर पर मामला दर्ज

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर एलडीएफ विधायक अनवर पर मामला दर्ज

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर एलडीएफ विधायक अनवर पर मामला दर्ज

'यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका



वर्ष-04 अंक-07 मुरादाबाद, 28 April, 2024 (Sunday)

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

यदि भाजपा सत्ता में लौटती है तो वह संविधान बदल देगी, लोगों के अधिकार छीन लेगी:प्रियंका

Editorial

The Essence of Consciousness

We are shaped by our thoughts; we become what we think. When the mind is pure, joy follows like a shadow that never leaves. What we are today comes from our thoughts of yesterday, and our present thoughts build our life of tomorrow, the Enlightened One, Buddha was to say. In our lexicon today subjects and topics like physics, metaphysics, an elevated State, consciousness, life coaches and mind, apart from iconic names of Stephen Hawking, Jim Holt, and Carl Sagan among others are all bandied quite recklessly without deep study. This is perhaps done under pressure to keep up with Jones or to display our awareness about certain issues of topical interests without proper research. Recently my jaw dropped when confronted with some basic facts and facets of our universe. Through my elementary study of physics and geography, I was aware that we live on Planet Earth, which is an integral part of a Solar System; though I was in the dark and not fully aware that each star in the galaxy has its own solar systems like ours. I was certainly an ignoramus on these riveting concepts. Apparently, several of these stars and their respective solar systems do not exist anymore and have disappeared forever in the sands of time or are perhaps gravitating towards a black hole. It dawned on me as to how ignorant I was despite my readings on the subject. So how does this lead us to the quintessential term of consciousness? Simply put consciousness is a State when humans are aware of and responsive to their environment. This is inclusive of both prevailing internal and external conditions. An individual blessed with an efficacious and robust thought process becomes aware and responsive to various occurrences which are taking place both within and without. Consciousness is an individual's State of awareness of their environment, thoughts, feelings, or sensations; and in order to experience consciousness, one must be both awake and aware. Arjuna, the ace archer slumped and his fabled Gandiva fell to the ground as his mind was gripped with doubts and fear as the spectre of battling his cousins, his Gurus and above all the patriarch Bhishma coloured the mind and Sisyphean thought process engulfed his persona. This was when Lord Krishna unleashed his Vishwarup Darshan and rendered the song celestial Bhagavad Gita which revealed his true self and raised the consciousness in Arjuna who took up the cudgels once again. King Janaka the father of Sita was a Jnani Purush. He was a highly knowledgeable and enlightened person and was referred to as a Raj Rishi. One day in his court he fell asleep and dreamt that Mithila his kingdom was stricken by severe and dreaded drought conditions. The suzerain visualised an eagle swooping down and plucking a piece of bread/chappati from the hands of an impoverished peasant. This shocked the king and he woke up from a State of slumber to receive sage Ashtavakra who was to reveal the gospel of truth, which is popularly referred to as Ashtavakra Gita. Janaka then realised his true self and the consciousness was ignited.

**Bihar's educational reforms
cock a snook at private players**

The failure of the Bihar Government on countless fronts in the last few decades cannot be dismissed, and an exclusive example of the failure can be perceived in the law made without any proper preparation and study against liquor. Apart from this, there are many issues where the Government has demonstrated its substantial weakness such as rural migration, agriculture et cetera. However, there are some steps taken by the Government that must be appreciated without any political prejudices, this is the initiative on the subject of education in the State. Today, when the market is bent on taking over education completely in almost the entire India, the effort of the State to patronise education on such a large scale can be considered a very bold step. In a way, this is a counter by the State to global capital. When the educational institutions are coming out of the hands of the Government and going into the hands of the corporates, the work done by the Bihar Government on the education system is in a way like the return of the welfare State. Such efforts must be made on health services too. However, in

recent years, its big-

space will be left for

automatically get le-



ginning can be seen in Delhi where it was claimed that Government school education has been taken to a prestigious level, and this claim should not be denied. But through education reforms in Bihar, the State is again visible in its public-concerning role, albeit partially, only in a few subjects. Bihar is one of the poorest States in the country, and social and economic inequality is also at its peak. Then in such a situation, the model of economic development of putting education in the open market will push marginalised people even further to the margins. It has always been a crying question of how much

the rights of education of the marginalised sections while in most of the private schools are functioning like money making industries. And it should be understood that private schools do not flourish because of their quality, rather the failure of the Government schools gives them an opportunity to spread their footing. Unfortunately, Government schools have been continuously neglected by the State for decades. And all this did not happen spontaneously, rather there was a well-planned conspiracy of the Global Capital behind it that firstly let the Government schools be destroyed and then the private schools would

legitimacy. In a way, the society has given up all its expectations from Government schools, they have accepted that children have no future in Government schools. Consequently, social psychology developed which did not take the availability of quality education as a serious question. If it had been taken, there would have been pressure on the Governments and they would have worked on the facilities and quality education in the Government schools, but this rarely happened. The Bihar Government again made Government schools a part of the election manifestos of political parties. We saw some of the work

that the Government has done to improve the education system. For example, there was a severe shortage of teachers in schools for a long time, to fulfil teachers were recruited on a large scale. The appointment of more than one lakh teachers is enough to show the seriousness of the Government's vision on education. Undoubtedly a large part of the budget would have been spent on this. If we talk about infrastructure, the schools of Bihar had turned into ruins. It was difficult to say which building would collapse and when. Children were often forced to sit in the open field or in the veranda. But to fix all these things the Government allocated a huge amount. Allotment of the books, dresses and bags and water bottles for children along with other materials not only attracts them towards schools but also reduces the financial burden for the parents, especially for those who are barely able to earn their living by doing farm labour. For urban elites these things might be futile but for the rural people this is not affordable by their own income. We all had seen chil-

dren carrying books in their hands or in dusted polythene or in torn cloth (jhola), but now they had beautiful bags in their hands and instead of torn half-naked clothes on their bodies, uniforms were shining on them. It was well known fact how little attention they paid to the children. The Government has strictly forced the teachers to be responsible for their duties towards children, which was not an easy task, years of Government negligence had made them indolent. Some other small and big efforts can be seen there to control the deep-rooted corruption in the education system. A pertinent aspect which perhaps sought for more attention that is 'Mid-Day Meal'. This should be allowed to continue in a smoother manner and at the local level merely, any interference by any external agency is likely to lead to many other complications. Amidst all these achievements, the biggest problem visible is, how to continue this reform in the future, because there still seems to be a lack of proper mechanism for this; and in the absence of a mechanism all efforts and achievement may be proven futile.

Why do Indians excel abroad and fail back home?

Indians have undeniably left a lasting impression across various global arenas, spanning technology, entrepreneurship, academia and healthcare. However, a perplexing paradox persists - why do Indians excel overseas while encountering unique obstacles within their homeland? This compelling question warrants immediate attention and a thorough exploration of the multifaceted challenges at hand. Deciphering the Enigma: Indian Excellence Abroad and Domestic Hurdles The disparity between Indian achievements on the international stage and the hurdles faced domestically primarily stems from deficiencies in the public education system. The insightful narrative of "Why Indians Succeed Everywhere Except in India," as presented by EW, adeptly dissects this paradox, attributing it to the lamentable State of public education - an observation

that holds true. The Interplay of Education, Governance and Eco-

economic prosperity, it is imperative to prioritise education

very foundation of our future, necessitating a discerning response to

ates for the dynamic job market, reflecting the systemic challenges

tive of brain drain. Yet, it's vital to acknowledge the diaspora's positive contributions as a bridge between India and the global economy. A Call to Action for Change Viewing the emigration of skilled individuals as a loss for India underscores the urgency for comprehensive strategies to reverse brain drain, attract exceptional talent back home and invest in research and development. A paradigm shift in higher education is imperative, emphasising creativity, innovation and risk-taking to foster a globally competitive India. Restoring the spirit of private enterprise and nurturing a dynamic academic and industrial environment is crucial for sustained growth. As we navigate the complexities of reform, the vision outlined in this analysis serves as a beacon toward a more prosperous, innovative and globally competitive India.



n o m i c Development The nexus between the quality of education and the overall health of political, socio-economic and law and order systems is profound. A robust education system forms the cornerstone for an informed citizenry, competent leadership and a flourishing economy. Recognising education as a catalyst for effective governance and

within national development strategies. Challenges in Primary and Secondary Education The current State of primary and secondary education reflects the trajectory of our nation's future. ASER surveys reveal a stark reality - a significant portion of our youth lacks even basic skills expected at their grade levels. This systemic failure jeopardises the

address underlying issues. Higher Education: Quality and Employability Crisis Graduation should ideally open doors to a world of opportunities. However, India grapples with the challenge of higher education - the mismatch between degrees and employability. It is crucial to question whether higher education institutions adequately prepare gradu-

ated by graduates and the subsequent brain drain. The Brain Drain Predicament: Retaining India's Brightest Minds While India boasts exporting talent worldwide, there's a sobering reality - a loss of intellectual capital that could otherwise fuel national growth. Understanding the migration patterns of Indian graduates to foreign shores challenges the conventional narra-

SECRET RELATIONSHIP

Konkana Sensharma's fans were taken by surprise after her ex-husband, actor Ranvir Shorey, allegedly confirmed her secret relationship with *Sardar Udham* actor Amol Parashar.

A parody account, Dr. Nimo Yadav Commentary, known for taking a dig at politicians and public figures, shared a screenshot of Amol's Instagram story where he was seen slamming PM Modi's recent mangalsutras comment.

In his tweet, Nimo wrote, "Konkana Sen Sharma took the best decision to leave Modi bhakt Ranvir Shorey and date Secular Amol Parashar." Replying to this, Ranvir wrote, "I agree."

Ranvir's comment not only added fuel to the dating rumors but, in fact, also confirmed that Konkana and Amol are indeed in a relationship.

While Konkana, 44 and Amol, 37, have yet to react to this, they have often been seen commenting on each other's photos on Instagram. Konkana and Amol starred together in the OTT film *Dolly Kitty Aur Woh Chamakte Sitare* and their chemistry was lauded by the netizens. The film also starred Bhumi Pednekar and Vikrant Massey.



Is Konkana Sen Sharma dating Amol Parashar? Ex-husband Ranvir Shorey's comment sparks speculation

Actress shares a view from Kubera set as she packs up Dhanush-starrer film



It's a wrap!

Actress Rashmika Mandanna shared a glimpse from her upcoming film *Kubera* starring Dhanush.

Rashmika took to her Instagram stories and shared a picture showing the moon, a building, and a little bit of the set. "Anddddd it's a wrap #Kubera," the actress wrote in the caption.

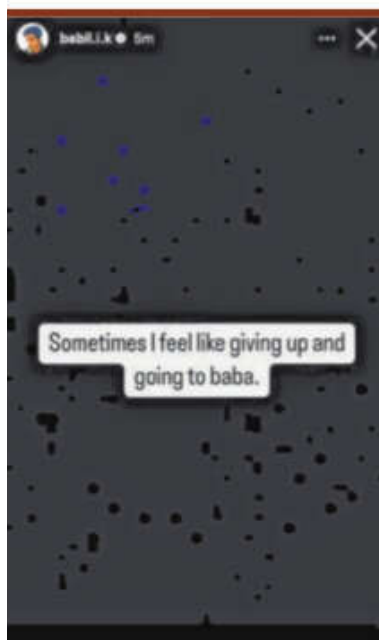
The makers of the film released the film's title and Dhanush's first look from the film on *Maha Shivaratri* last month.

Kubera is directed by National Award-winning director Sekhar Kammula, known for movies such as *Fidaa* and *Love Story*.

The film, which also stars Nagarjuna and Jim Sarbh, is presented by Sonali Narang and produced by Suniel Narang and Puskur Ram Mohan Rao under their banner.

Rashmika, who was last seen in Sandeep Reddy Vanga's *Animal*, will be seen in *Pushpa 2*.

She also has *Rainbow*, *The Girlfriend*, and *Chaava* in her kitty. *Pushpa 2: The Rule* is slated to release in theatres worldwide on August 15th 2024.



'Feel like going to Baba'

Babil Khan shares post ahead of Irrfan's death anniversary

Irrfan Khan passed away on April 29, 2020, at the age of 53 after a two-year battle with a neuroendocrine tumour. Ahead of his death anniversary, his son, actor Babil Khan, shared a cryptic post on 'giving up.'

Taking to his Instagram handle, Babil wrote, "Sometimes I feel like giving up and going to Baba." However, it was deleted soon after.

Babil often shares unseen pictures and anecdotes from their family life on his Instagram handle. Earlier this month, he shared Irrfan and his mother's photo with the caption, "Im gonna miss you, you know? Standing under my umbrella. I'm going to miss you too, but I guess It's time to dance in the rain now."

On the work front, Babil made his acting debut with *Qala* as Jagan Batwal, starring Tripti Dimri, Swastika Mukherjee, and Sameer Kochhar, among others. The film, directed by Anvita Dutt, was released on OTT.

He was also seen in *The Railway Men* alongside Kay Kay Menon, R. Madhavan, Divyendru, and others.

Next, Babil will be seen in Shoojit Sircar's directorial debut, *The Umesh Chronicles*, alongside Amitabh Bachchan.



A musical delight

Makers of the upcoming action-thriller film *Satyabhama* starring Kajal Aggarwal unveiled the promo video of the first single *Kallara*.

Taking to Instagram, Kajal treated fans with the song promo video and captioned the post, "#Satyabhama first single #Kallara promo out now. Full song out today at 3.06 PM in the magical voice of @shreyaghoshal. In theatres worldwide on May 17th."

Recently, makers unveiled the film's release date. The makers took to their official Instagram account and shared a new poster of Kajal Aggarwal with a caption that read, "Gear up to celebrate 'The Queen of Masses' @MSKajalAggarwal like never before on the big screens. #Satyabhama in theatres worldwide on May 17th." Apart from this, the makers released an intriguing post starring Kajal Aggarwal.

In the post, Kajal is seen stepping forward, grabbing a gun, loading it, and then aiming at the calendar. Bullet shells reveal the release date, which is May 17. The post also offers a sneak peek of Kajal in her role as ACP *Satyabhama*.



MARK YOUR CALENDARS

Priyanka Chopra Jonas' Women of My Billion gets release date

Actor-producer Priyanka Chopra Jonas' upcoming documentary *Women of My Billion* (WOMB) has got release date. Makers on Thursday unveiled the trailer.

Taking to Instagram, streaming platform treated fans with an inspiring trailer video and captioned the post, which read, "Journey along one woman's 3800 km walk across India for women's safety, witness stories that need to be told and question beliefs that must be challenged. #WomenOfMyBillionOnPrime, May 3. Trailer Out Now."

Women of My Billion, is a stark and touching chronicle of the fight against all forms of violence faced by women of India.

Directed by Ajitesh Sharma, produced by Apoorva Bakshi and Monisha Thyagarajan's Awedacious Originals in association with Priyanka Chopra Jonas' production house *Women of My Billion* follows the journey of Srishti Bakshi, as she embarked on a walking pilgrimage from Kanyakumari to Kashmir, spanning 3,800 kms over 240 days, with a mission to find and share stories about women, their struggles, dreams, rights, and their wins, against all odds.

